देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 22.03.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- विश्व जल दिवस पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से जल बचाने का संकल्प लेने और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरोहर को सुरक्षित रखने का आह्वान किया।
- केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना में बड़े बदलाव किए।
- केंद्र सरकार ने राज्यों को व्यावसायिक एलपीजी के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दी।
- प्रदेश में नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

विश्व जल दिवस

विश्व जल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि सभी मिलकर जल बचाने का संकल्प लें और आने वाली पीढ़ियों के लिए इस धरोहर को सुरक्षित रखें।

सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में श्री धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड नदियों और जलस्रोतों से समृद्ध है, जो प्रदेश की अमूल्य प्राकृतिक विरासत है। उन्होंने कहा कि इनका संरक्षण और संतुलित उपयोग सभी की साझा जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर प्रदेश में जल संरक्षण के प्रति विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

एमएसएमई

केंद्र सरकार ने बजट 2025–26 के अनुरूप सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विनिर्माताओं और निर्यातकों को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना में बड़े बदलाव किए हैं।

पारस्परिक ऋण गारंटी योजना के तहत पात्र सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों मशीनरी/उपकरण खरीदने के लिए 100 करोड़ तक के सावधि ऋण पर 60 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान किया जाता है। नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड द्वारा समर्थित यह योजना, गारंटी देकर बैंकों से आसान ऋण दिलाने में मदद करती है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संशोधनों से योजना का विस्तार होगा, अनुपालन बोझ कम होगा और निर्यातक एमएसएमई को प्रोत्साहन मिलेगा। संशोधित योजना में चौथे वर्ष बाद किस्तों में पांच प्रतिशत अग्रिम अंशदान वापसी की जा सकती है। संतोषजनक ऋण प्रदर्शन पर चौथे वर्ष से हर साल इसका एक प्रतिशत वापस किया जा सकेगा।

व्यावसायिक एलपीजी

केंद्र सरकार ने राज्यों को व्यावसायिक एलपीजी के लिए 20 प्रतिशत अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दे दी है। इससे कुल आवंटन 50 प्रतिशत हो जाएगा। इसमें पीएनजी के विस्तार के लिए सुधारों के आधार पर 10 प्रतिशत आवंटन भी शामिल है। इसमें रेस्तरां, ढाबे, होटल, औद्योगिक कैंटीन, डेयरी, रियायती कैंटीन और राज्य या स्थानीय निकायों द्वारा संचालित अन्य क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाएगी।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव, नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि यह आवंटन कल से लागू होगा। सभी व्यावसायिक और औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ताओं को तेल विपणन कंपनियों के साथ पंजीकरण कराना होगा। सरकार ने आश्वासन दिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोग घबराहट में खरीदारी न करें।

उत्तराखण्ड सरकार ने चार वर्ष

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने चार वर्ष के दौरान कई ऐसे ऐतिहासिक और सशक्त फैसले लिए, जिनसे राज्य की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत हुई है।

प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह है कि उत्तराखण्ड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। इसके साथ ही सशक्त भू–कानून, सख्त धर्मांतरण विरोधी कानून और दंगारोधी कानून लागू कर कानून–व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। बीते चार वर्षों में 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली हैं। शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार करते हुए उत्तराखण्ड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है, जिसके अंतर्गत मदरसा बोर्ड को समाप्त कर दिया गया है।

अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए राज्य में लगभग 12 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है, जो प्रशासनिक दृढ़ता का उदाहरण है। वहीं, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है।

चैत्र नवरात्र

चैत्र नवरात्रि के चौथे दिन आज देशभर में माँ कूष्मांडा की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की जा रही है। श्रद्धालु सुबह से ही मंदिरों में पहुंचकर माँ के दर्शन कर रहे हैं और सुख–समृद्धि की कामना कर रहे हैं।

धार्मिक मान्यता के अनुसार, माँ कूष्मांडा को सृष्टि की रचयिता माना जाता है। उनकी उपासना से आयु, स्वास्थ्य और ऊर्जा की प्राप्ति होती है। इस अवसर पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और विशेष पूजन–अर्चन का आयोजन किया जा रहा है।

उत्तराखण्ड में भी नवरात्रि का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। देहरादून सहित विभिन्न जिलों के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है। श्रद्धालु व्रत रखकर माँ की आराधना कर रहे हैं और घरों में भी पूजा–अर्चना का सिलसिला जारी है।

वहीं, टिहरी जिले में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ चंद्रबदनी मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। नवरात्र के शुभ दिनों में दूर–दूर से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए मंदिर पहुंच रहे हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

मंदिर के पुजारी राकेश भट्ट ने बताया कि यह मंदिर टिहरी के चंद्रकूट पर्वत पर स्थित है और देवी सती को समर्पित है। उन्होंने कहा कि चंद्रबदनी धाम में माता सती का धड़ (बदन) गिरा था, इसी कारण इसे "चंद्रबदनी" शक्तिपीठ कहा जाता है।

पशुपालन विभाग

टिहरी जिले की जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में गौशालाओं की व्यवस्थाओं, निराश्रित गोवंश की स्थिति और गौशाला संचालकों की विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई।

जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को गौशालाओं के निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ ही गौशाला संचालकों को बकाया अंशदान की धनराशि का जल्द भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

आकाशवाणी से बातचीत में जिलाधिकारी ने बताया कि गौशाला संचालकों की समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की गई।

'नाद नन्दिनी'

देहरादून में लोक संगीत के मर्मज्ञ और संस्कृतिविद स्वर्गीय केशव अनुरागी की कृति 'नाद नन्दिनी' का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने 'नाद नन्दिनी' को उत्तराखंड के लोक संगीत अध्ययन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि यह कृति लोक संगीत के व्यवस्थित वर्गीकरण, संगीत संरचनाओं की विस्तृत व्याख्या तथा लोक वाद्ययंत्रों, ताल और लय के गहन विश्लेषण के कारण विशेष महत्व रखती है।

डॉ. माधुरी बड़थ्वाल ने इसे लोक संगीत के इतिहास में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि पुस्तक कुमाऊंनी और गढ़वाली परंपराओं को सरल और व्यापक रूप में प्रस्तुत करती है। वहीं, नरेन्द्र सिंह नेगी ने अनुरागी को अपना प्रारंभिक गुरु बताते हुए उनके योगदान को स्मरण किया और कहा कि उन्होंने पर्वतीय संगीत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।